महिलाओं के जीवन पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रभाव

डॉ. सुमन बुगालिया, सह–प्राध्यापक, सोभासरिया कॉलेज, सीकर, ईमेल– drsbugalia@gmail.com

सारांश

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस या कृत्रिम बुद्धिमत्ता आज के समय में एक तेजी से विकसित हो रही तकनीक है। यह तकनीक हमारे जीवन के हर पहलू को प्रभावित कर रही है, जिसमें महिलाएं भी शामिल है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने महिलाओं के जीवन में महत्वपूर्ण परिवर्तन किए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस महिलाओं को कई तरह से सशक्त बना रहा है। यह तकनीक शिक्षा, स्वास्थ्य, कैरियर और सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में महिलाओं के लिए नए अवसरों और चुनौतियों का निर्माण कर रही है। शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित तकनीक महिलाओं को व्यक्तिगत ज्ञान व अनुभव प्रदान कर रहे हैं, जिससे वे अपने कौशल को अधिक प्रभावी ढंग से विकसित कर सकती हैं। यह महिलाओं को लचीले और व्यक्तिगत शिक्षा के अवसर प्रदान करते हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संचालित उपकरणों का उपयोग करके महिलाएं अपने स्वास्थ्य की बेहतर निगरानी कर सकती हैं और बीमारियों का जल्दी पता लगा सकती हैं।यह महिलाओं के लिए विशेष स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान और समाधान में सहायता कर रहा है, जिससे स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच बढ़ी है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस महिलाओं को नए रोजगार के अवसर पैदा कर रहा है और उन्हें कार्यस्थल में अधिक समावेशी बनाने में मदद कर रहा है, लेकिन साथ ही यह स्वचालन के कारण पारंपरिक नौकरियों के खोने का खतरा भी बढ़ा रहा है।सुरक्षा के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित उपकरण और एप्लिकेशन महिलाओं की सुरक्षा को बढ़ावा देने में सहायक हो रहे हैं जैसे कि सुरक्षा अलर्ट और निगरानी प्रणाली। हालांकि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के कुछ नकारात्मक प्रभाव भी हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संचालित पूर्वाग्रह महिलाओं के खिलाफ भेदभाव को बढ़ा सकती है,ऑनलाइन सुरक्षा की कमी भी हो सकती

है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित निगरानी महिलाओं की गोपनीयता के लिए खतरा पैदा कर सकती है। इसके अलावा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के कारण होने वाले नौकरी के नुकसान का महिलाओं पर अधिक प्रभाव पड़ सकता है। इससे तकनीकी साक्षरता की कमी जैसी समस्याएं भी सामने आ रही हैं जो महिलाओं के सशक्तिकरण में बाधा बन सकती हैं। अतः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रभाव महिलाओं के जीवन को अधिक समृद्ध बनाने में सक्षम है, बशर्ते कि इसे समानता और समावेशिता की दृष्टि से विकसित किया जाए।